● **मार्ग बताओ :**

१५. चलो– चलें

❑ चित्र का निरीक्षण कराएँ । चित्र में आए सांकेतिक चिह्नों का वाचन एवं परिचय कराएँ । विद्यार्थियों से गोलू–भोलू को पेंग्विन के घर तक पहुँचाने वाले मार्ग को रेखांकित करने के लिए कहें । इसी प्रकार के अन्य सांकेतिक चिह्न बताने के लिए प्रेरित करें ।

* पुनरावर्तन–३ *

१. अनुस्वारवाले (ं) शब्दों को सुनो, समझो और दोहराओ :

अङ्क–अंक, चञ्चल–चंचल, झण्डा–झंडा, सुन्दर–सुंदर, मुम्बई–मुंबई; टंकी, पंख, पतंग, कंघी, कंचा, पंछी, अंजीर, झंझावात, घंटी, कंठ, डंडा, पंढरपुर, संत, पंथ, बंदर, कंधा, पंप, गुंफन, कंबल, खंभा ।

२. घायल पक्षी को देखकर तुम्हारे मन में कौन–से भाव उठते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

(क) **मैं** पाँचवीं कक्षा **में** पढ़ रहा हूँ ।

(ख) मृणाल ने पूछा, ''उदय ! **कहाँ** गए थे ?'' उदय ने **कहा,** ''मैं भोपाल गया था ।''

(ग) रौनक बिल्ली की **ओर** दौड़ा **और** वह भाग गई ।

(घ) राजू खेल रहा **है** । उसके साथी बैठे **हैं** ।

(च) सोहन **की** बिल्ली इतनी प्यारी है **कि** सब उसे उठा लेते हैं ।

४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

ख आँ	र पै	न का	ठ हों
ज ग का	ट ना घु	र द बं	त र भा
ई र पा चा	व ली दी पा	ला शा ठ पा	वा ल री फु

५. वर्ण अवयवों का उपयोग करते हुए अपने मन से उनके चित्र बनाओ :

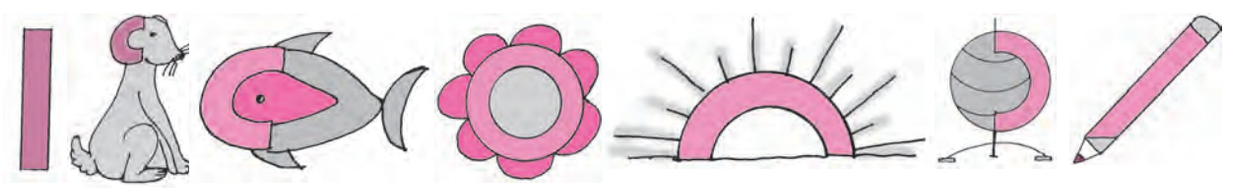
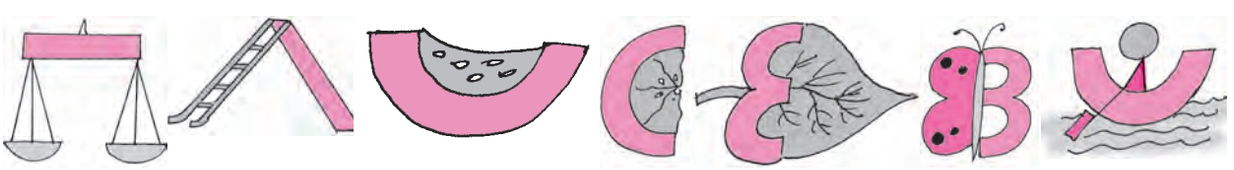

कृति/उपक्रम

विद्यालय में पहले दिन के अपने अनुभव सुनाओ ।	किसी समारोह के बारे में पाँच वाक्य बोलो ।	पंचतंत्र/ हितोपदेश की कहानियाँ पढ़ो ।	एक चित्र बनाओ और उसका वर्णन दो–तीन वाक्यों में लिखो ।

* पुनरावर्तन–४ *

१. सुनो और दोहराओ :

मैं	जा	रहा/ रही हूँ ।
हम		रहा/ रही है ।
तू		रहे हो/ रही हो ।
तुम		रहे हैं/रही हैं ।
आप		

यह	जा	रहा है/ रही है ।
ये		रहे हैं / रही हैं ।
वह		
वे		

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं । तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हें तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन–से भाव जगते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

विद्यालय	:	जहाँ विद्यार्थी पढ़ते हैं ।	खेल खेलने वाला	:	खिलाड़ी ।
जादूगर	:	जादू दिखाने वाला ।	सच बोलने वाला	:	सत्यवादी ।

४. सिग्नल के चित्रों का वाचन करो और सिग्नल पार करते समय तुम क्या सावधानी बरतते हो, लिखो :

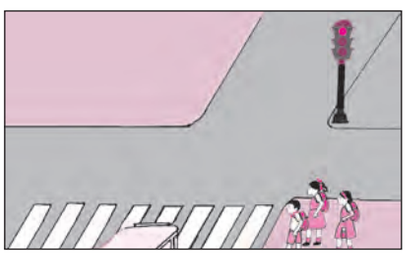
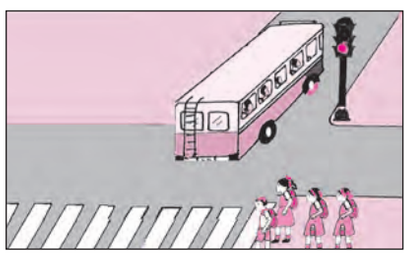
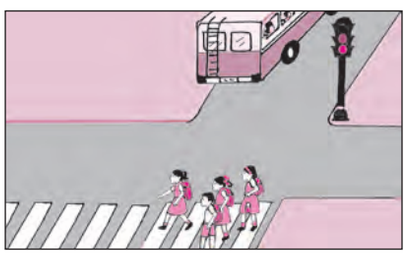

५. पढ़ाई करने के बाद भी तुम्हें परीक्षा से डर लग रहा है तो तुम क्या करोगे, बताओ :

(क) बड़ों से बातचीत करोगे । (ख) खेलने जाओगे । (ग) गाना सुनोगे अथवा गाओगे । (घ) आराम करोगे ।

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच विशेषताएँ सुनाओ ।	परिसर में देखे हुए वृक्षों के नाम बताओ ।	तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो ।	तुम्हें कौन–सा खेल पसंद हैं और क्यों, लिखो ।

* शब्दार्थ *

पहली इकाई

२. **हवा** : इठलाना = इतराना; चंचल = अस्थिर; ठुमकना = नृत्य की मुद्रा में चलना; मटकना = अंग हिलाकर चलना; दुलारना = लाड़-प्यार करना; तड़के = प्रातःकाल, सवेरा ।

८. **माँ** : प्रारूप = आकार; सुरूप = सुंदर रूप; ब्रह्मांड = विश्व ।

९. **मोती जैसे दाँत** : शीत = ठंडा; झँझोड़ना = जोर से हिलाना ।

पुनरावर्तन– १ : खार = काँटा; मेघा = बादल; मेधा = बुद्धि; सेर = वजन करने की पुरानी इकाई; चारण= स्तुति करने वाला; उघाड़ = खोलना; सरपत = एक प्रकार की घास ।

पुनरावर्तन– २ : बेल = लता; ओज = तेज; छत्र = छत, छाता; रिपु = शत्रु; कसौटी = परीक्षा, जाँच, परख; झाँझ = एक तरह का ताल वाद्य ।

दूसरी इकाई

२. **लालची कुत्ता** : पटरा = लकड़ी का चौरस टुकड़ा, पाटा; हथियाना = हड़पना; भौंचक्का = आश्चर्यचकित; मुँहबाय = मुँह फैलाकर; बलाय = बला, संकट ।

३. **खिचड़ी** : कारनामा = बड़ा कार्य; हँड़िया= हंडी; आँच = गरमी ।

५. **जुड़ें हम** : अग्रसर = आगे बढ़ा हुआ; रफ्तार = गति; संपदा = संपत्ति, धन ।

९. **भारत** : अनुपम = बेजोड़; अजूबा = आश्चर्य में डालने वाला; दूजा = दूसरा; मुँड़ेर= छत के ऊपर कम ऊँचाई की दीवार; प्रभाती = सुबह के समय गाने वाला गीत ।

१३. **(ब) छुक-छुक गाड़ी** : भाद्रपद= भादों; अग्रहायण = अगहन; फाल्गुन = फागुन ।

१४. **निरीक्षण** : स्वस्थ = निरोगी, तंदुरुस्त; निष्कर्ष = निचोड़ ।

पुनरावर्तन– ३ : झंझावात = तेज आँधी; पंथ = मार्ग; गुंफन = गुँथा हुआ ।

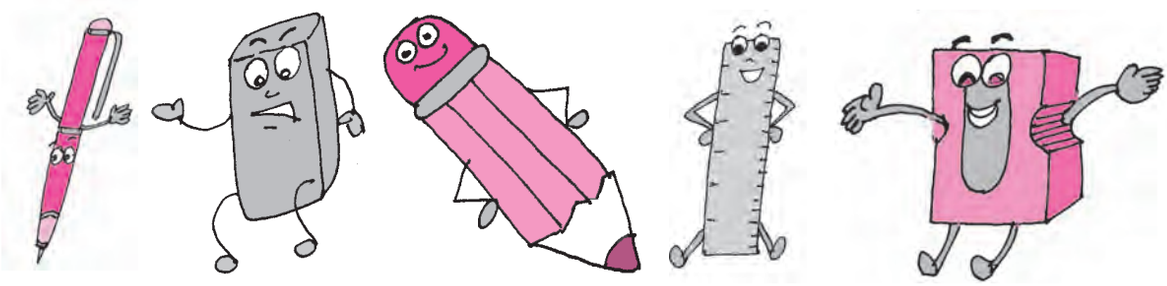

* उत्तर *

पुनरावर्तन –२, पृष्ठ क्र. १८, प्रश्न ४ का उत्तर :

आम, पीपल, कमल, नीम, अंगूर, शमी, अशोक, गुलाब, इमली, बेल, केला, गुड़हल, नारियल ।

● लिखो, पढ़ो और सुनाओ :

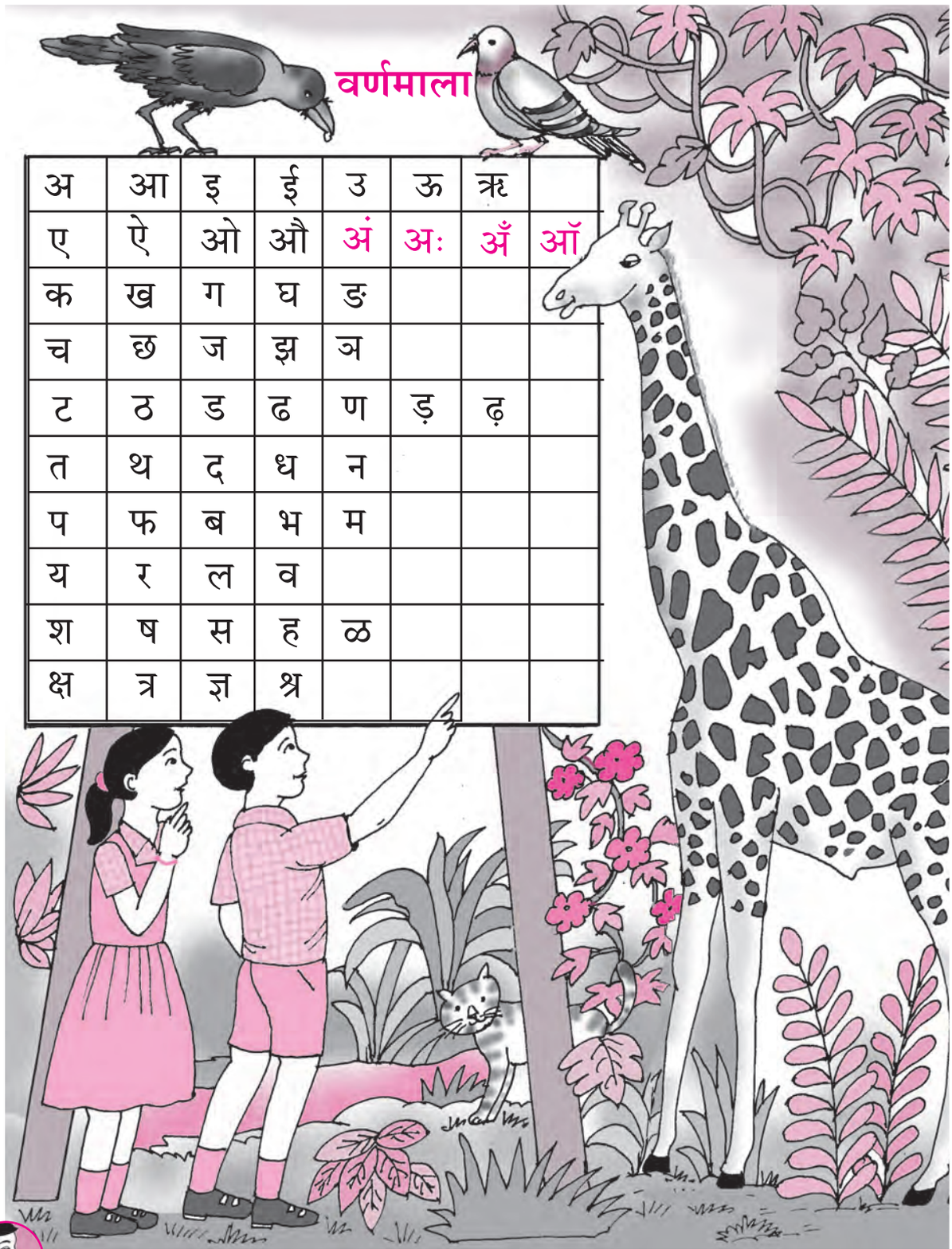

वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	अँ	ऑ
क	ख	ग	घ	ङ			
च	छ	ज	झ	ञ			
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	
त	थ	द	ध	न			
प	फ	ब	भ	म			
य	र	ल	व				
श	ष	स	ह	ळ			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ ।

२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो ।

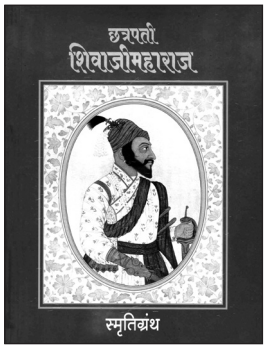

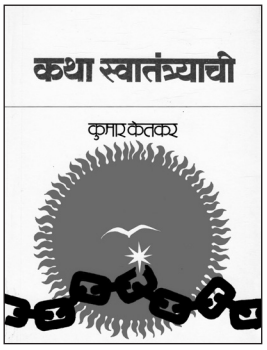

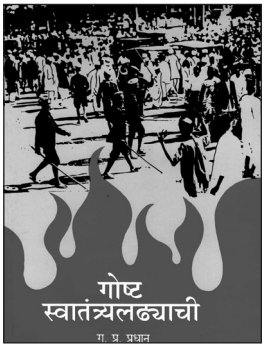

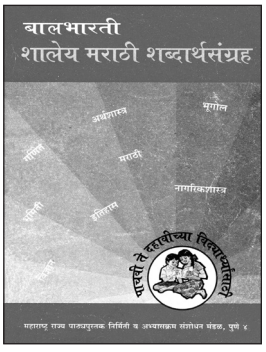

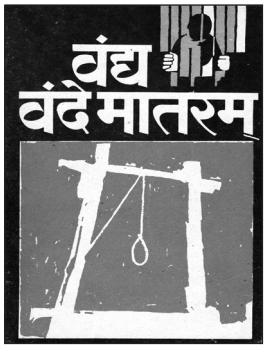

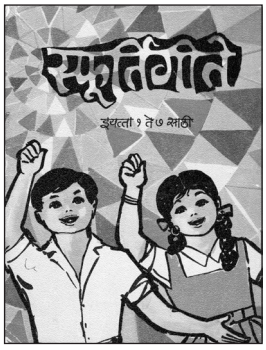

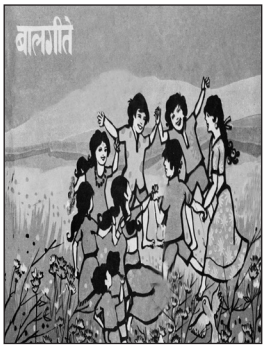

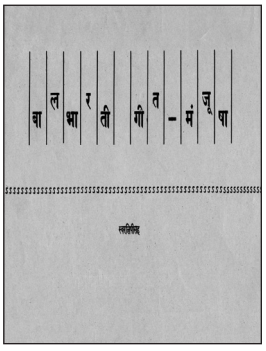

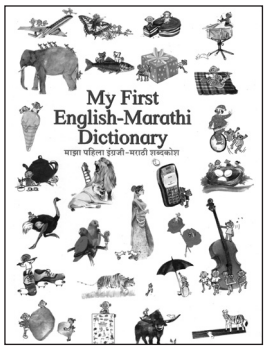

- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

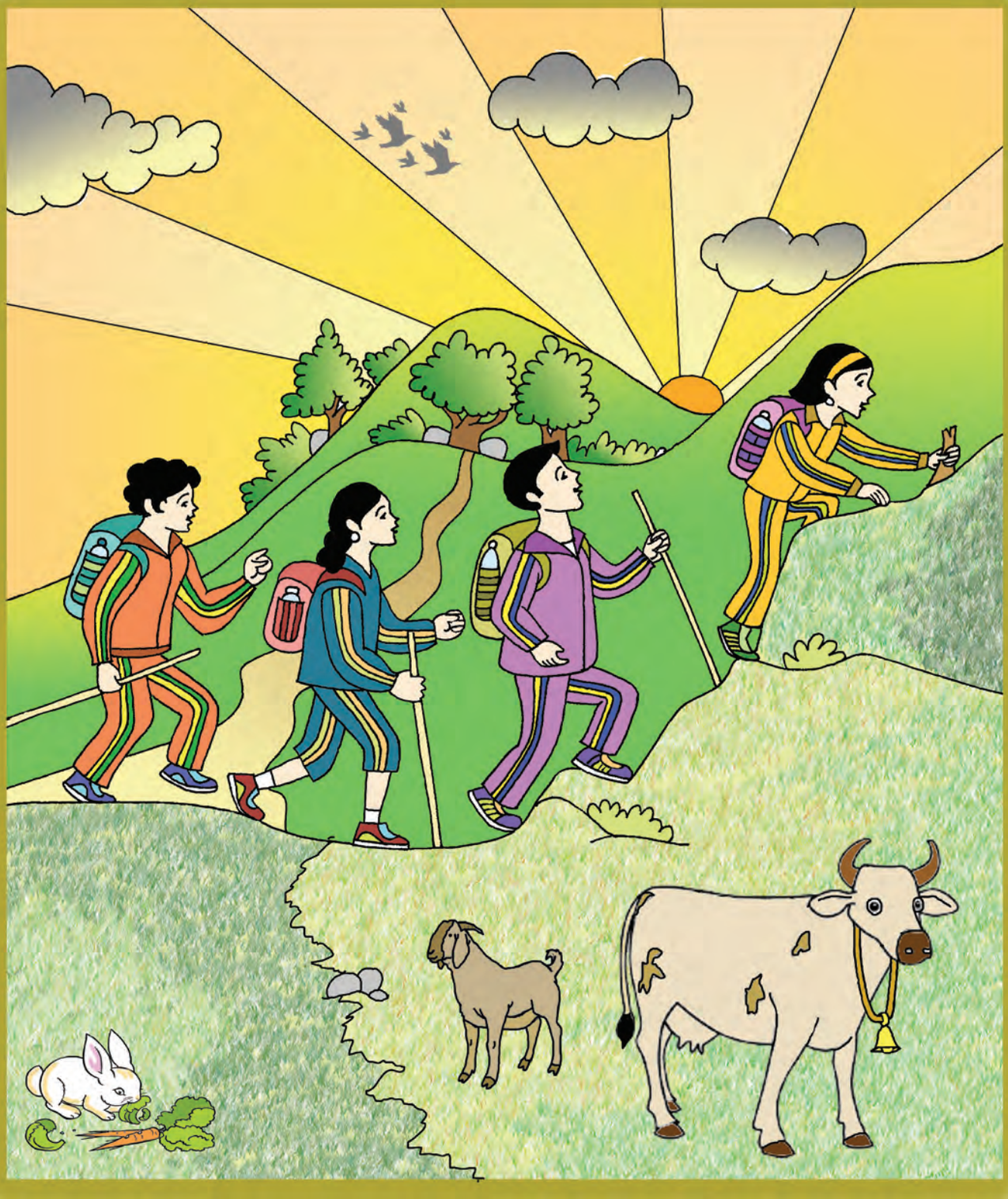

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभारती इयत्ता पाचवी

₹ २१.००